

the fishermen and their welfare. The Government had also accepted its recommendations. One of the main recommendations was to stop giving licence to big vessels for deep sea fishing in the Exclusive Economic Zone of our country. But, unfortunately, the Government is now giving licence, renewing licence and permitting the Indian and foreign vessels to venture in deep sea in the Exclusive Economic Zone of our country. The fishermen are not able to catch fish. So, if the Government is genuinely interested in safeguarding the interests of the fishermen of this country, they have to ban deep sea fishing in the Exclusive Economic Zone of our country.

**श्री तारिक अनवर:** सर, यह मूल क्वेश्चन से अलग हटकर माननीय सदस्य ने सवाल किया है। मैं इतना ही कहूंगा कि जो उन्होंने सुझाव दिया है, उस पर हम लोग विचार कर सकते हैं और उसके बाद माननीय सदस्य को इसकी जानकारी दे दी जाएगी।

\*263. [The questioner (Shri Ram Jethmalani) was absent].

#### **बी.टी. कॉटन की उत्पादन-दर**

**\*263. श्री राम जेठमलानी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बी.टी. कॉटन की उत्पादन दर वर्ष 2007-08 से वर्ष 2012-13 के बीच लगातार कम हो रही है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं;

(ग) वर्ष 2007-08 और वर्ष 2012-13 में बी.टी. कॉटन की प्रति हेक्टेयर उत्पादन-दर कितनी-कितनी थी; और

(घ) क्या यह भी सच है कि बी.टी. कॉटन के उत्पादन में कमी आने के साथ-साथ उसकी उत्पादन लागत में भी वृद्धि हो गयी है?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. चरण दास महन्त):** (क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

#### **विवरण**

(क) से (घ) बीटी कपास की उत्पादन दर (पैदावार) संबंधी आंकड़ों का रख-रखाव पृथक् रूप से नहीं रखा जाता है। तथापि, देश में कुल कपास क्षेत्र का 90 प्रतिशत से भी अधिक क्षेत्र अब बीटी कपास के अंतर्गत है तथा देश में कपास की वर्षवार पैदावार का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	पैदावार/ (कि. ग्रा./हेक्टेयर)
2007-08	467
2008-09	403
2009-10	403
2010-11	499
2011-12	491
2012-13*	488

\* दूसरे अग्रिम अनुमान।

यह देखा गया है कि देश में कपास की पैदावार 2007-08 में 467 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर से बढ़कर 2012-13 में (दूसरे अग्रिम अनुमान) 488 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर हो गई है। कपास की उत्पादन लागत 2007-08 में 2110.53 रुपये प्रति किंवटल से बढ़कर 2012-13 में 2772.16 रुपये प्रति किंवटल हो गयी है।

#### Production rate of Bt. Cotton

†\*263. SHRI RAM JETHMALANI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production rate of Bt. Cotton is constantly decreasing since 2007-08 to 2012-13;

(b) if so, the facts in this regard;

(c) the details of production rate of Bt. Cotton per hectare in 2007-08 and 2012-13; and

(d) whether it is also a fact that along with the decline in yield, its production cost has also increased?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. CHARAN DAS MAHANT): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

(a) to (d) The data on production rate (yield) of Bt. Cotton is not maintained separately. However, more than 90% of total cotton area in the country is now under Bt. Cotton and year-wise yield of cotton in the country is as under:

†Original notice of the question was received in Hindi.

Year	Yield (Kg/Hectare)
2007-08	467
2008-09	403
2009-10	403
2010-11	499
2011-12	491
2012-13*	488

\*2nd Advance Estimates.

It may be observed that the yield of cotton in the country has increased from 467 Kg/hectare in 2007-08 to 488 kg/hectare in 2012-13 (2nd advance estimates). The cost of production of cotton has increased from Rs. 2110.53 per quintal in 2007-08 to Rs. 2772.16 per quintal in 2012-13.

MR. CHAIRMAN: Question 263. Questioner is not present. Let the answer be given.

**श्री शिवानन्द तिवारी:** धन्यवाद सभापति महोदय। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि उन्होंने अपने जवाब में कहा है कि पैदावार 2007-08 में 467 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 2012-13 में 488 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। दूसरी तरफ़ इनका कहना है कि उत्पादन लागत 2007-08 में 2110.53 रुपए से बढ़कर 2012-13 में 2772.16 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है। तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि 2007-08 में किसानों ने जो कॉटन बेचा, तो उनको कितने रुपए प्रति क्विंटल का भाव मिला और 2012-13 में उनको प्रति क्विंटल कितनी कीमत मिली? माननीय मंत्री जी, जरा इसको स्पष्ट करें, ताकि यह पता चल सके कि जो लागत बढ़ा है, जो इनपुट्स की कॉस्ट बढ़ी है, उसकी उनको उतनी कीमत मिल रही है या नहीं?

**डा. चरण दास महन्त:** माननीय सभापति महोदय, विभाग ने जो जानकारी दी है, उनके सामने यहां रख दी गई है। आगे मैं कुछ जवाब दूँ इससे पहले मैं आपसे गुजारिश करना चाहता हूँ कि बी.टी. कॉटन के संबंध में एक रिट पीटिशन सुप्रीम कोर्ट में विचारधीन है। इस परिस्थिति में क्या यहां विचार करना या बहस करना उचित होगा, यह मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ। ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति:** आप बैठ जाइए, ...**(व्यवधान)**...

**श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला:** यह तो जवाब में दिया गया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, आपका सवाल बाद में आ रहा है, अभी नहीं है।  
...(व्यवधान)... बैठ जाइए। It is not your turn. Yes, Mr. Roy. ...(Interruptions)...

श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला: माननीय मंत्री जी जो बतला रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपने न सवाल पूछा और न उन्होंने आपको जवाब दिया। ...(व्यवधान)...

श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला: मगर क्यू में मैं भी बैठा हूँ, सर। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अगर आपको जवाब से कोई कठिनाई है तो आप लिखित में दीजिए।

श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला: सर, हम आपसे संरक्षण चाहते हैं। माननीय मंत्री जी बतला रहे हैं कि यह मामला कोर्ट में है। कोर्ट में यह कोई मसला नहीं है। आखिर, जवाब आपने दिया है। ...(व्यवधान)...

श्री शिवानन्द तिवारी: अगर मसला कोर्ट में है तो माननीय मंत्री जी ने यहां जवाब कैसे दिया? ...(व्यवधान)...

श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला: अगर कोर्ट में मामला है तो यहां जवाब कैसे दिया?  
...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Do you wish to amplify?

डा. चरण दास महन्त: सर, मैंने यह निवेदन किया है कि जो विभागीय जानकारी हमारे पास है, वह हमने इनको दे दी है। बाकी बी.टी. कॉटन जी.एम. स्टॉक के बारे में सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका विचाराधीन है। यदि आप चाहते हैं कि उसके बावजूद भी यहां बहस हो, तो हम करने के लिए तैयार हैं।

श्री शिवानन्द तिवारी: हम यह जानना चाहते हैं कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट, एक मिनट। ...(व्यवधान)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, the question was what price they got ...(Interruptions)...

श्री सभापति: जस्ट, वन मिनट। ...(व्यवधान)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: What price they got compared to the input. ...(Interruptions)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने केवल यह जानना चाहा है कि 2008 में किसानों को क्या कीमत मिल रही थी और 2013 में क्या कीमत मिल रही है। इसका कोर्ट में चलने वाले मसले से संबंध नहीं है।

श्रीमान्, इससे कोर्ट में चलने वाले मामले का सम्बन्ध नहीं है। इससे किसानों को लाभ हुआ है या हानि, वह यह जानना चाह रहे हैं।

**डा. चरण दास महन्त:** माननीय सभापति महोदय, मैंने जानकारी देने से इंकार नहीं किया है। मैं माननीय चतुर्वेदी जी को बताना चाहता हूँ कि वर्ष 2006-2007 में बाजार में किसानों के लिए जो एमएसपी निर्धारित की गयी थी, वह 1770 रुपए थी और वर्ष 2012-2013 में 3600 रुपए है।

**श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:** एमएसपी नहीं पूछी थी, बाजार में किसान को मिलने वाले भाव के बारे में पूछा था।

**डा. चरण दास महन्त:** निश्चित रूप से बाजार में उसी भाव पर मिल रहा था। बाजार में भाव में कोई कमी नहीं थी।

**श्री सभापति:** आप जवाब बाद में दे दीजिएगा। Let it be treated as an assurance.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Mr. Chairman, Sir, the issue is multinationals are exploiting the Indian farmers. Keeping that in mind, please postpone it to Monday. Let him reply to it on Monday. It is a very larger issue. We have no difficulty. We should not have any objection.

**श्री सभापति:** आप मंडे को यह जवाब दे सकते हैं?

**डा. चरण दास महन्त:** सर, मैं अभी भी जवाब दे सकता हूँ।

**श्री सभापति:** दीजिए।

**श्री एम. वेंकैया नायडु:** किसान कोर्ट में जाएं, यह अच्छी बात नहीं है।

**श्री सभापति:** वेंकैया जी, एक मिनट, रूपाळा जी, प्लीज ...(व्यवधान)...

**श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाळा:** आपको किसान से क्या लेना-देना? अरे, थारे को किसान से क्या लेना-देना? ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)...

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

### Telecommunication services in villages

†\*264. DR. RAM PRAKASH: Will the Minister of COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY be pleased to state:

†Original notice of the question was received in Hindi.